मलेरिया की नई दवा तिहरी मार करती है

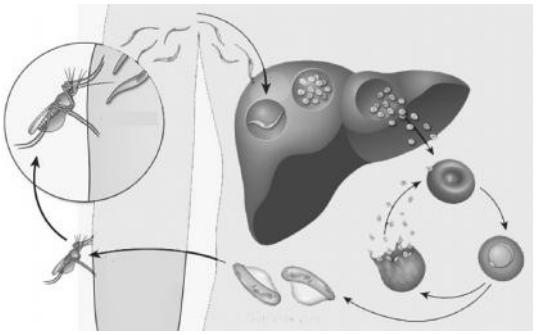

मलेरिया, खास तौर से फाल्सीपेरम मलेरिया एक घातक रोग है और इसके इलाज के लिए जो दवाइयां उपलब्ध हैं वे नाकाम होने लगी हैं। लिहाज़ा, मलेरिया के उपचार के लिए नई दवाइयों की खोज एक प्राथमिकता है।

अब पोर्टलैण्ड स्थित ओरेगन स्वास्थ्य व विज्ञान विश्वविद्यालय के माइकेल रिस्को और उनके साथियों ने मलेरिया की एक नई दवा खोजी है जो मलेरिया परजीवी पर तिहरी मार करती है - मनुष्य के रक्त प्रवाह में, लीवर में और मच्छर के शरीर में। फिलहाल उपलब्ध अधिकांश दवाइयां मलेरिया परजीवी पर सिर्फ रक्त प्रवाह में हमला करती हैं।

नई दवा को ईएलक्यू-300 नाम दिया गया है। यह दवा परजीवी की कोशिका के एक महत्त्वपूर्ण उपांग माइटोकॉण्ड्रिया को अक्षम बना देती है, जिसकी वजह से उनकी प्रजनन क्षमता खत्म हो जाती है। दरअसल मलेरिया परजीवी के माइटोकॉण्ट्रिया दो ऐसे अणु बनाते हैं जो नया डीएनए बनाने के लिए ज़रूरी होते हैं।

हालांकि इंसानों की कोशिकाओं में भी माइटोकॉण्ड्रिया पाए जाते हैं मगर ईएलक्यू-300 उन पर कोई असर नहीं डालती क्योंकि इंसानों में ये उपांग डीएनए बनाने में कोई भूमिका नहीं निभाते।

जंतुओं पर परीक्षणों के दौरान ईएलक्यू-300 ने संक्रमित चूहों को काफी तेज़ी से स्वस्थ कर दिया। इसके अलावा यह भी देखा गया कि जिन मच्छरों ने इन चूहों का खून पीया था, ईएलक्यू उनके शरीर में भी पहुंच गई और वहां भी इसने परजीवियों का सफाया कर दिया। इस तरह से इन मच्छरों द्वारा आगे संक्रमण पर भी रोक लगी।

अब ईएलक्यू-300 की सुरक्षा को लेकर परीक्षण किए जाएंगे और फिर इंसानी परीक्षणों का नंबर आएगा। यह दवा काफी आशा जगा रही है और उम्मीद की जानी चाहिए कि यह जल्दी ही अस्पतालों में नज़र आएगी। ***(स्रोत फीचर्स)***